

मोड्यूल 10 : विटामिन 'के' की सुई लगाना

सत्र 1 : प्रशिक्षण कार्यशाला 3 मोड्यूल 7, 8, एवं 9 के बाद कार्यक्षेत्र के अनुभवों की समीक्षा

दिवस : 1

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

प्रयोजन

आशा को अपने पिछले प्रशिक्षण के बाद, क्षेत्र में हुए अन्य अनुभवों के बारे में, चर्चा करने का अवसर देना। आशा अपनी चर्चा को शिशुजन्म, स्तनपान में सहायता देना तथा शिशु का शरीर ठंडा पड़े तो उसका उपचार करना इस पर केन्द्रित करें।

उद्देश्य

सत्र के समापन पर आशाओं में निम्न योग्यता आएँगी –

1. समुदाय के बीच काम करने के जो अनुभव हुए उनके बारे में चर्चा करना (प्रसव के समय उपस्थित रहना और तुरंत स्तनपान शुरू कराना, शिशु को गर्म रखना, स्तनपान की समस्या और शिशु ठंडा पड़ने (हायपोथर्मिया) का उपचार करना, बीमार शिशुओं के लक्षणों का आंकलन और वर्गीकरण करना) तथा समस्याओं का हल निकालना।

सामग्री

- प्रशिक्षक, आशा का प्रशिक्षण तथा काम में प्रगती का रिकार्ड साथ में रखें। (प्रशिक्षण कार्यशाला 3 से पहले के मूल्यांकन की यदि पहले चर्चा नहीं की गई तो वे शीट भी साथ रखें।)

तैयारी

- कार्यशाला के पूर्व प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर एक बैठक करें। बैठक के दौरान प्रत्येक आशा का सुपरवाइजर द्वारा गाँव में भरा गया काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड तथा उसकी समस्याओं पर चर्चा हो और यह सारी बातें सुपरवाइजर प्रशिक्षक को अवगत कराएँ। इस प्रकार तैयारी कर लेने से अगली प्रशिक्षण कार्यशाला आरंभ होने से पहले प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर को आशा की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों का पूरा ज्ञान होगा।
- प्रशिक्षक, आशा का प्रशिक्षण तथा काम में प्रगती का रिकार्ड साथ में रखें। (प्रशिक्षण कार्यशाला 3 से पहले के मूल्यांकन की यदि पहले चर्चा नहीं की गई तो वे शीट भी साथ रखें।) इसका उपयोग प्रशिक्षणार्थियों द्वारा की जानेवाली प्रस्तुति, चर्चा या अभ्यास में होगा।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति/चर्चा (50 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षणार्थियों को एक गोले में बैठने को कहें।
2. प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से कहें कि वह समुदाय में किए कार्य के अनुभवों के आधार पर 3-5 मि. का सारांश

प्रस्तुत करें जिसमें नीचे दिए विषयों के बारे में भी बताएँ (यह सब बातें बोर्ड पर लिखें, जिससे कि आशा को याद रहे कि उन्हें क्या चर्चा करनी है।)

- कितने प्रसवों में उपस्थित रही और प्रसव का अवलोकन किया।
- दाई के साथ काम करने का अनुभव ?
- प्रसव के तुरंत बाद शिशु को माता के स्तनों से लगाने के बारे में आशा का अनुभव?
- स्तनपान जल्दी शुरू कराने तथा केवल स्तनपान कराने के बारे में परिवार की प्रतिक्रिया?
- स्तनपान संबंधी समस्या हल करने के लिए सलाह देते समय यदि परामर्श कार्डों का प्रयोग किया हो तो उस क्या भावनाएँ थी? (सरल थे, कठिन लगे या क्या वे सहायक थे?)
- प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने के बारे में दाईयों की क्या प्रतिक्रिया रही?
- प्रसव के तुरंत बाद शिशु को गर्म रखने में उसका अनुभव क्या था?
- बच्चों की बीमारी के लक्षणों का आंकलन तथा वर्गीकरण करते समय उसे कैसा महसूस हुआ?
- जिन परिवारों में उसने बीमार बच्चों को देखा उन परिवारजनों की प्रतिक्रिया क्या थी?
- गाँव में 5 साल से कम उम्र के सारे बच्चों की देखभाल करना उसे कैसा लग रहा है?
- क्या उसे, धंसी हुई आँखें, पेट की त्वचा पर भरी चिकोटी धीरे वापस जाना, आयु के अनुसार बहुत कम वजन जैसे लक्षणों को देखने का मौका मिला?
- उसे कौनसी कामयाबी मिली?
- कोई अन्य नकारात्मक या बुरे अनुभव?
- कोई अन्य अनुभव जिससे उसने कुछ सीखा, क्या सीखा ?
- “आदर्श आशा” बनने की दिशा में कोई प्रगति ?
- पिछली कार्यशाला में बताए गए विषयों तथा योग्यताओं में से किसी की समीक्षा जरूरी हो, तो बताएँ।

3. जब आशा अपने अनुभव बताए तब प्रशिक्षक :

- समय का ध्यान रखें।
- शंकाओं का समाधान करें।
- यदि आवश्यक हो, तो पूरे समूह के सामने महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करें।
- प्रशिक्षणार्थियों को जिन विषयों में अधिक जानकारी अथवा अभ्यास की आवश्यकता हो, वह नोट करें।

4. गाँव में काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड देखकर; आशा को विशेष जानकारी देते रहना चाहिए और जाँचते रहें कि उन्होंने समुदाय के बीच रहकर कैसा कार्य किया। यदि किसी को और अधिक सहायता की आवश्यकता हो, तो कक्षा के बाद उन्हें समझाएँ या फिर उन्हें अलग से अधिक समय दें।

5. बोर्ड पर ‘कठिनाईयों’ और ‘अच्छे अनुभवों’ के बारे में संक्षिप्त में लिखें। उनमें कुछ निम्न बातें हो सकती हैं।

अच्छे अनुभव :

- बातचीत की सफल विधियों के प्रयोग से, आशा को दाई और माताओं से सम्मान प्राप्त होता है।
- आशा ने ठंडे पड़े शिशु की सफलतापूर्वक देखभाल की है।

कठिनाईयाँ :

- सास जल्दी स्तनपान कराने के पक्ष में नहीं हैं।

- जनमतेही शिशु को कपड़े पहनाने के लिये परिवार के लोग तैयार नहीं हैं।
- बच्चों की बीमारी के लक्षणों का आंकलन तथा वर्गीकरण ही आशा फिलहाल कर रही है, उपचार नहीं कर रही इससे परिवार के लोग खुश नहीं है।

भूमिका नाटक (35 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. सभी प्रशिक्षणार्थियों को 4-5 समूहों में बाँटें।
2. प्रत्येक समूह एक विषय चुने; यदि समूह विषय न चुन पाए, तो ऊपर दी सलाह का प्रयोग करें। प्रत्येक समूह आपस में चर्चा करे कि समस्या से कैसे निपटा जा सकता है, अथवा अच्छे अनुभवों द्वारा, आशा को कैसे अपने तथा समुदाय के बीच कार्य में मदद मिलेगी। प्रशिक्षणार्थी भूमिका नाटक के माध्यम से अथवा कहानी के रूप में, या फिर अपने विचार व्यक्त करके, अपने अनुभवों को प्रस्तुत करें। (10 मि.)
3. प्रत्येक समूह भूमिका नाटक खेलने अथवा विचार व्यक्त करने के बाद संक्षिप्त चर्चा करें। (5-10 मि.)
4. गाँव में काम के बारे में आशा की भावनाएँ तथा कठिनाईयाँ जो आशा द्वारा भूमिका नाटक में दर्शायी गई हो उन्हें प्रशिक्षक लिख लें। ऐसी भी बातें लिख लें जिन पर भविष्य में ध्यान देना होगा (जैसे – गाँव के लोग आशा को प्रोत्साहन नहीं देते या दाई आशा से सहकार्य नहीं करती)।

सारांश (5 मि.)

- क्षेत्र में किए कार्यों तथा जिन विषयों पर चर्चा की आवश्यकता हो उनका सारांश प्रस्तुत करें।
- क्षेत्र में किए कार्य के मूल्यांकन के बाद प्रशिक्षणार्थियों को बताएँ कि उनका कार्य कैसा था।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
समुदाय के बीच काम करने के जो अनुभव हुए उनके बारे में चर्चा करना तथा तथा समस्याओं का हल निकालना।	चर्चा, भूमिका नाटक अथवा कहानी	आशा द्वारा प्रस्तुत भूमिका नाटक का प्रशिक्षक द्वारा लिखा गया विवरण।